



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 441]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 21, 1994/आश्विन 29, 1916

No. 441]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 21, 1994/ASVINA 29, 1916

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1994

सं. 177/94-सीमाशुल्क

मा.का.नि. 771(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपाखण्ड-I में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) अब उनका किसी निर्यात प्रसंस्करण जोन में या इस अधिसूचना के उपाखण्ड-II में विनिर्दिष्ट किसी भुक्त व्यापार जोन में (जिसे इसमें इसके पश्चात् जोन कहा गया है) स्थापित रत्न और आभूषण एककों द्वारा भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषण के विनिर्माण या पैकेजिंग के लिए, या रत्न और आभूषण के निर्यात के संप्रवर्तन के लिए आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975

(1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अनिश्चित शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात्:—

(1) आयातकर्ता को इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए जोन में कोई विनिर्माण एकक स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;

(2) आयातकर्ता, जहां कहीं भी आवश्यक हो, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए किसी साधारण या विनिर्दिष्ट अनुशासित के अन्तर्गत आता है;

(3) आयातकर्ता को उक्त माल का आयात करने के लिए आवश्यक अनुज्ञप्ति अदनुस्त की गई है;

(4) आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि के लिए जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर विनिर्दिष्ट करे—

(i) उक्त माल को अपने एकक में लाने और उनका इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए जोन के भीतर उपयोग करने;

- (ii) उक्त माल का या एकक में विनिर्मित या पैक किए गए रत्न और आभूषण का या ऐसे उत्पादन या पैकेजिंग से उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट का ऐसी रीति में, जो निर्यात-आयात नीति और इस अधिसूचना में विहित की जाए, व्ययन करने;

के लिए स्वयं को आबद्ध करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है;

(5) आयातकर्ता उक्त माल के आयात, उपभोग और उपयोग का और उसके द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा कालिकतः सीमाशुल्क सहायक कलक्टर को प्रस्तुत करेगा;

(6) आयातकर्ता, जोन के विकास आयुक्त का यह समाधान करता है कि इस प्रकार आयात किए गए माल का अधिसूचना में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए या निर्यात-आयात नीति में विनिर्दिष्ट किन्हीं अन्य प्रयोजनों के लिए उपयोग किया गया है;

(7) सीमाशुल्क सहायक कलक्टर, ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा अधिरोपित की जाएं, और आयात-निर्यात नीति के उपबंधों के अधीन रहते हुए—

- (i) उक्त माल या एकक में विनिर्मित या पैक किए गए माल को उसी जोन में दूसरे एकक को अन्तर्गत या प्रदाय करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

- (ii) अनुपयोज्य स्टॉक या खंडित रत्नों के, ऐसे रत्नों के आयात मूल्य के 5% तक पुनः निर्यात करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(8) उक्त जोन में विनिर्मित रत्न और आभूषण, जिनमें अस्वीकृत रत्न और आभूषण भी सम्मिलित हैं, भारत के किसी अन्य स्थान (अर्थात् देशी टैरिफ क्षेत्र) में चाहे जिस किसी प्रयोजन के लिए हो, नहीं लाया जाएगा;

परन्तु विनिर्माण प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाले स्वर्ण के स्कैप, धूल या झाड़न, आयातकर्ता द्वारा मानक स्वर्ण शलाकाओं में संपरिवर्तित करने के लिए और सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा इस संबंध में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार उक्त जोन को वापस करने के लिए, सरकारी टकसाल को भेजे जा सकेंगे।

(9) किसी एकक के प्रचालन समाप्त हो जाने की दशा में स्वर्ण अन्य बहुमूल्य धातु, मिश्रधातु, रत्न और आभूषण के विनिर्माण के लिए सामग्री भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस निमित्त नामनिर्दिष्ट अभिकरण को सौंप दी जाएगी।

(10) सीमाशुल्क सहायक कलक्टर इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों के पूरा होने के अधीन रहते हुए उक्त भारणी के स्तम्भ (1) में की तत्स्थानो प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट वर्णन के आभूषणों के विनिर्माण के दौरान नीचे दी गई सारणी के

स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट स्वर्ण के प्रतिशत की हानि अनुज्ञात कर सकेगा।

सारणी

आभूषणों का वर्णन	स्वर्ण के छीजन का प्रतिशत
(1)	(2)
(क) रावे स्वर्ण के आभूषणों की बिना जुड़ी हुई वस्तुएं जिनका (स्वर्ण की अन्तर्वस्तु, धन छीजन पर) 10% या उससे अधिक का न्यूनतम मूल्य-परिवर्धन है।	भारत के आधार पर आभूषणों में स्वर्ण की अन्तर्वस्तु का 2%
(ख) जड़ाऊ स्वर्ण के आभूषण और वस्तुएं जिनका (स्वर्ण की अन्तर्वस्तु धन छीजन पर) मूल्य परिवर्धन निम्न प्रकार है	
(1) 25% तक मूल्य परिवर्धन	3% तक
(2) 25% से अधिक और 40% तक मूल्य-परिवर्धन	5% तक
(3) 40% से अधिक और 50% तक मूल्य-परिवर्धन	7% तक
(4) 50% से ऊपर मूल्य परिवर्धन	10% तक
(ग) जड़ाई और टुकड़े	भारत के आधार पर स्वर्ण की अन्तर्वस्तु का 3%

स्पष्टीकरण—जड़ाई और टुकड़ों के लिए छीजन केवल तब अनुज्ञेय है जब ऐसे जड़ाई और टुकड़ों का विनिर्माण आयातित स्वर्ण से किया जाता है और उसका उसी रूप में निर्यात किया जाता है।

(11) इस अधिसूचना के अधीन निर्यात ऐसी प्रक्रिया के अनुसार जो सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए—

- (i) इस अधिसूचना के उपबंध-II में विनिर्दिष्ट विमान पत्रों के माध्यम से विमान वस्तु भाड़ा द्वारा; और

- (ii) डाक पार्सेल के माध्यम से अनुज्ञात किया जाएगा।

(12) उक्त जोन में विनिर्मित रत्न और आभूषणों का प्रदाय फुटकर निर्यात या विल्ली और सुन्धई में अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रों पर प्रस्थान विश्राम कक्ष में स्थापित गो रूम में, भारत से प्रस्थान करने वाले, यात्री सामान नियम, 1994 में यथा परिभाषित पर्यटकों को, आयात और निर्यात नीति के अनुसार विक्रय के लिए सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—

इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए “निर्यात-आयात नीति” से वाणिज्य मंत्रालय की गार्वेजनीक सूचना सं. 1 आई टी सी (पी एन)/92—97 तारीख 31 मार्च, 1992 में प्रकाशित समय-समय पर यथा-संशोधित निर्यात और आयात नीति 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 अभिप्रेत है।

2. प्रथम पैरा में किसी बात के होते हुए भी इसमें अंतर्निहित छूट, भारतीय खनिज और धातु व्यापार नियम लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की प्रक्रिया पुस्तिका, जिल्ह-1

1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 के अध्याय 8 के साथ पठित शर्तों और निर्यात नीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 में पैरा 88 में यथा विनिर्दिष्ट निर्यात प्रसंस्करण जोन से स्वर्ण और चांदी के आभूषण तथा अन्य वस्तुओं के निर्यात की स्कीम के अधीन उक्त जोन में रत्न और आभूषण एककों को प्रदाय करने के लिए आयातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं. 71.06 और 71.08 के अंतर्गत आने वाले क्रमशः चांदी और स्वर्ण को भी लागू होगी।

परन्तु जहां स्वर्ण का आयात किसी आभूषण एकक की ओर से किया जाता है वहां यह छूट तभी लागू होगी, यदि—

(क) ऐसे आभूषण एकक द्वारा सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा यथा विनिर्दिष्ट प्रमाण का अनुसरण किया जाता है; और

(ख) ऐसे आभूषण एकक द्वारा प्रथम पैरा में अनुबद्ध शर्तों का अनुपालन किया जाता है।

3. (1) इस अधिसूचना के अन्वय में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के मूल्य मंत्रालय, सार्वजनिक विभाग की अधिसूचनाएं निम्नलिखित की जाती हैं—

(2) ऐसे निम्नलिखित के होते हुए भी, इस प्रकार निम्नलिखित अधिसूचनाओं के अधीन की गई कोई भी बात का कार्रवाई इस अधिसूचना के तत्स्थानीय अधिनियमों के अधीन की गई जायेगी।

क्रम सं. माल की वर्णन

1. पूंजी माल और उनके अतिरिक्त पुर्जे
2. बड़े विद्युत संयंत्र, जिसके अन्तर्गत बड़े उत्पादन सैट और उनके अतिरिक्त पुर्जे, ईंधन, स्नेहक और ऐसे विद्युत संयंत्रों और सैटों के लिए ऐसी अन्य खपने योग्य सामग्री जिसकी अनुमोदन बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई है।
3. कार्मिक उपस्कर, अतिरिक्त पुर्जे और उसकी ऐसी खपने वाली सामग्री जिसकी अनुमोदन बोर्ड द्वारा सिफारिश की गई है।
4. कच्ची सामग्री।
5. संघटक।
6. माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित खपने वाली सामग्री।
7. पैकेजिंग सामग्री।
8. औजार, जिग, गेज, फिक्सचर, सांचे, डाई, उपकरण और उपसाधन तथा उनके अतिरिक्त पुर्जे।
9. विकास और विविधता के लिए आदि प्ररूप, तकनीकी और व्यापार नमूने।
10. रेखाचित्र, ब्लू प्रिंट और स्कीट्स।
11. संरक्षित या पुनर्निर्माण के पश्चात् पुनः निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल।
12. विदेशी क़ैता के परिदान लेने में असफल होने के कारण जोन से निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर पुनः आयातित माल।

## उपावन्ध—II

जोन का नाम	विमान पत्तन के माध्यम से
1. सान्ताकुंज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात प्रसंस्करण जोन	सहार
2. कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन—	तिवेन्द्रम/ कालीकट/ कोचीन
3. नोएडा निर्यात प्रसंस्करण जोन—	दिल्ली
4. फाल्टा निर्यात प्रसंस्करण जोन—	कलकत्ता
5. मद्रास निर्यात प्रसंस्करण जोन—	मद्रास
टिप्पण :—जोन में सर्वेक्षण संख्यांक वाले स्थान समाविष्ट होंगे और अधिकारिता वाले सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा इस निमित्त जारी की गई किसी लोक/व्यापार सूचना में विनिर्दिष्ट सीमाओं से विरे होंगे।	

## उपावन्ध—III

1. अधिसूचना सं. 196/87—सीमाशुल्क, तारीख 5-5-87
2. अधिसूचना सं. 256/87—सीमाशुल्क, तारीख 2-7-87
3. अधिसूचना सं. 258/87—सीमाशुल्क, तारीख 2-7-87
4. अधिसूचना सं. 260/87—सीमाशुल्क, तारीख 2-7-87
5. अधिसूचना सं. 262/87—सीमाशुल्क, तारीख 2-7-87

[आ. सं. 305/57/04-एफ.टी.टी.]

एस.एम. भट्टनागर, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 21st October, 1994

NO. 177/94-CUSTOMS

G.S.R. 771.(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Annexure I to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India by the gem and jewellery units set up in an Export Processing Zone or in a Free Trade Zone specified in Annexure II of this notification (hereinafter referred to as the Zone), for the manufacture or packaging of gem and jewellery for exports out of India, or for the promotion of exports of gem and jewellery, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty, if any, leviable

thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been authorised to establish a manufacturing unit in the Zone for the purposes specified in this notification;
- (2) the importer is covered, wherever required, by a general or specific permit issued by the Reserve Bank of India;
- (3) the importer has been granted necessary licence for the import of the said goods;
- (4) the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs binding himself to—

- (i) bring the said goods into his unit and use them within the Zone for the purposes specified in this notification;
- (ii) dispose of the said goods or the gem and jewellery manufactured or packaged in the unit or the waste arising out of such production or packaging in the manner as may be prescribed in the Export-Import Policy and in this notification;

- (5) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of the exports made by him, and shall submit such account periodically to the Assistant Collector of Customs;

- (6) the importer satisfies the Development Commissioner of the Zone that the goods so imported have been used for the purposes specified in the notification or for any other purposes specified in Export-Import Policy;

- (7) the Assistant Collector of Customs, may subject to such conditions and limitations as may be imposed by him and subject to the provisions of Export-Import Policy—

- (i) permit the said goods or goods manufactured or packaged in the unit to be transferred or supplied to another unit in the same Zone;

- (ii) permit re-export of dead-stock or broken stones upto 5 per cent of the value of import of such stones;

- (8) gem and jewellery, including the rejects, manufactured in the said Zone, shall not be brought to any other place in India (that is to say the Domestic Tariff Area) for whatever purpose :

Provided that scrap, dust or sweepings of gold arising in the manufacturing process may be forwarded to the Government Mint by the importer for conversion into standard gold bars and return to the said Zone in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs in this regard;

- (9) in the event of a unit ceasing its operation, gold, other precious metals, alloys, gem and material for the manufacture of jewellery shall be handed over to the Agency, nominated in this behalf by the Government of India in the Ministry of Commerce :

- (10) the Assistant Collector of Customs may allow, subject to the fulfilment of conditions specified in this notification, the loss of percentage of gold specified in column (2) of the Table given below during the manufacture of jewellery of the description specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table.

TABLE

Description of Jewellery	Percentage of gold wastage
1	2
A. Plain gold jewellery articles un-studded with minimum value addition of 10%, or more (on gold content plus wastage)	upto 2% of gold content in jewellery by weight
B. Studded gold jewellery and articles with value addition (on gold content plus wastage) as follows :—	
(i) value addition upto 25%	upto 3%
(ii) value addition above 25% and upto 40%	upto 5%
(iii) value addition above 40% and upto 50%	upto 7%
(iv) value addition over 50%	upto 10%
C. Mountings and findings	3% of gold content by weight.

Explanation.—The wastage for mountings and findings is admissible only when such mountings and findings manufactured from imported gold and are exported as such.

— (11) export under this notification shall be allowed—

(i) by air freight through the airports specified in Annexure-II to this notification; and

(ii) through post parcels, in accordance with such procedure as may be specified by the Collector of Customs;

(12) Gem and jewellery manufactured in the said Zone may be supplied to the retail outlets or show rooms set up in the departure lounge at international airports at Delhi and Bombay in accordance with the Import and Export Policy for sale to a tourist as defined in the Baggage Rules, 1994, leaving India in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs.

Explanation.—For the purposes of this notification, “Export-Import Policy” means the Export and Import Policy, 1st April, 1992-31st March, 1997, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN) 92-97, dated the 31st March, 1992, as amended from time to time.

2. Notwithstanding anything contained in the first paragraph, the exemption contained therein shall also apply to silver and gold falling under Heading No. 71.06 and 71.08 respectively of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, (51 of 1975) imported by the Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited and the State Bank of India for being supplied to the gem and jewellery units in the said Zone under the scheme for export of gold and silver jewellery and articles from the Export Processing Zone as specified in paragraph 88 of the Export and Import Policy, 1st April, 1992 — 31st March, 1997, read with Chapter VIII of the Handbook of Procedures, Volume I, 1st April, 1992—31st March, 1997, of the Government of India in the Ministry of Commerce :

Provided that where gold is imported on behalf of a jewellery unit, the exemption shall apply only if—

(a) the procedure as may be specified by the Collector of Customs is followed by such a jewellery unit; and

(b) the conditions stipulated in the first paragraph are complied with by such a jewellery unit.

3. (1) The notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, specified in Annexure III to this notification, are hereby rescinded.

(2) Notwithstanding such rescission, anything done or action taken under the notifications so rescinded shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this notification.

## ANNEXURE I

Description of goods :

1. Capital Goods and spares thereof.
2. Captive power plants, including captive generating sets and their spare parts, fuel, lubricants and other consumables for such power plants and generating sets as recommended by the Board of Approvals.
3. Office equipments, spare parts and consumables thereof as recommended by the Board of Approvals.
4. Raw materials.
5. Components.
6. Consumables required for manufacture of goods.
7. Packaging materials.
8. Tools, jigs, gauges, fixtures, moulds, dies and instruments and accessories and spare parts thereof.
9. Prototypes, technical and trade samples for development and diversification.
10. Drawings, blue prints and charts.
11. Goods re-imported within one year of the date of exportation for re-export after repairs or remaking.
12. Goods re-imported within one year from the date of exportation from the Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery.

## ANNEXURE II

Name of the Zone	Exports through airports at
1. Santacruz Electronics Export Processing Zone	Sahar
2. Cochin Export Processing Zone	Trivandrum/ Calicut/Cochin

- 
3. Noida Export Processing Zone     Delhi
  4. Falta Export Processing Zone     Calcutta
  5. Madras Export Processing Zone     Madras

Note : The Zone shall comprise of places bearing survey numbers and enclosed by boundaries as may be specified by the jurisdictional Collector of Customs in a Public/Trade Notice, issued in this behalf.

---

ANNEXURE III

1. Notification No. 196/87-Customs, dated 5-5-1987.
  2. Notification No. 256/87-Customs, dated 2-7-1987.
  3. Notification No. 258/87-Customs, dated 2-7-1987.
  4. Notification No. 260/87-Customs, dated 2-7-1987.
  5. Notification No. 262/87-Customs, dated 2-7-1987.
- 

[F. No. 305/57/94-FTT]

S. M. BHATNAGAR, Under Secy.